समनुदेशन (Assignment) हेतु प्रश्न

बी.ए. तृतीय वर्ष संस्कृत

भारतीय वास्तुशास्त्र SEC-4

(SKT-AEEC-306) **कुल अंक 30**

निर्देश - इस पत्र में दो समनुदेशन दिए गए हैं। प्रत्येक समनुदेशन में चार- चार प्रश्न हैं। दोनों समनुदेशन (Assignment) से तीन-तीन प्रश्न अपेक्षित हैं। हस्तलिखित समनुदेशन दूरवर्ती एवं ऑनलाईन शिक्षा केन्द्र को सम्प्रेषित करे।

समनुदेशन(Assignment)1 **अंक 15** **(5X3)**

प्र.1 भारतीय वास्तुशास्त्र के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

प्र.2 वास्तु के स्वरूप की चर्चा कीजिए।

प्र.3 वास्तुशास्त्र में पञ्चचतुशालानि के स्वरूप की समीक्षा कीजिए।

प्र.4 भूमिशोधन क्या है? इसका स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

समनुदेशन(Assignment)2 **अंक 15** **(5X3)**

प्र.1 षड्वर्ग परिशोधन का उल्लेख कीजिए।

प्र.2 गृह निर्माण की पञ्चविधियों की समीक्षा कीजिए।

प्र.3 स्तम्भ प्रमाण का उल्लेख कीजिए।

प्र.4 निम्नलिखित में से किन्हीं दो पद्यों का सरलार्थ कीजिए-

श्लोक संख्या- 7, 16, 24, 32, 52, 70, 108, 156 ।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केन्द्र
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला-5

स्नातक संस्कृत ..... वर्ष

सत्र.....

समनुदेशन विषय .....

पाठ्यक्रम कोड .....

समनुदेशन संख्या .....

प्रस्तुतकर्त्ता

नाम .....

पञ्जीकरण संख्या .....

अनुक्रमांक.....

स्थाई पता.....

.....

.....

ई-मेल.....

मोबाइल नं. .....

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....